गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट–2025 का समापनसमारोह के अवसरपरमाननीय राज्यपाल का संबोधन

(दिनांकः 01जून, 2025)

जय हिन्द!

सर्वप्रथम, मैं इस गौरवशालीअवसरगोल्फटूर्नामेंट के समापनसमारोहपरदेश के विभिन्नहिस्सों से पधारेसमस्तप्रतिभागीगोल्फखिलाड़ियों एवंआयोजकों का हृदय से स्वागतकरताहूँ।

तीनदिनतकचले इस गवर्नर्स कप गोल्फटूर्नामेंटमेंआपसभी की सहभागिता, उत्साहऔर खेलभावना ने इस आयोजनको एकअत्यंतसफलऔर यादगारआयोजनबनादिया।मैं इस प्रतियोगितामेंभागलेनेवालेसभीखिलाड़ियोंकोअपनी शुभकामनाएँदेताहूँ औरविजेताओंकोविशेष रूप से बधाईदेताहूँ।

मैं यहविश्वासभीव्यक्तकरताहूँ किआपसभी ने केवलगोल्फ का आनंदनहींलिया, बल्किनैनीताल की शांतझीलों, शुद्ध वायु, मनोरमवादियोंऔर यहाँ की आत्मीय संस्कृतिकोभीअनुभवकियाहोगा। यहआयोजनकेवल एक खेलप्रतियोगितानहीं, बल्किहमारेप्रदेश की प्राकृतिकऔरसांस्कृतिकविरासत से साक्षात्कारका एकमाध्यमभीरहाहै।

साथियों,

गोल्फ एक ऐसा खेलहै, जोसंयम, अनुशासन, धैर्यऔरध्यानकेंद्रितकरने की शक्ति का परिचायकहै। यह खेलआत्म–प्रतिस्पर्धा का प्रतीकहै, जिसमेंआपअपनेभीतर के श्रेष्ठतमकोबाहरलाने का प्रयासकरतेहैं। यही जीवन का भीसारहै–स्वयंकोलगातारबेहतरबनाना।

आजजबहमउत्तराखण्डजैसेराज्य मेंगोल्फटूर्नामेंट का आयोजनकरतेहैं, तो यहकेवल खेलनहीं, बल्किपर्यटन, स्वास्थ्य, रोजगारऔरसौहार्द्र का भी एकसशक्तमंचबनताहै।हमाराउद्देश्य केवलप्रतिस्पर्धानहीं, सहभागिताहै।

मुझे यहकहतेहुए गर्वहोरहाहैकि इस वर्ष के टूर्नामेंटमें 06वर्ष की उम्र से लेकर80 वर्षतकआयु के सुपरवेटरनखिलाड़ियों ने हिस्सालियाहै।हमारीमातृशक्ति की भागीदारीभी इस प्रतियोगितामेंविशेषरही। यहदर्शाताहैकि खेल न उम्रदेखतेहैं, न लिंग, वेकेवलजुनून, समर्पणऔरआत्मबलकोपहचानतेहैं।

मैं यहमानताहूँ कि खेलों की सबसेबड़ीविशेषता यहीहैकिवेभौगोलिक, सामाजिक यावैचारिकसीमाओं से परेलोगोंकोजोड़तेहैं।उत्तराखण्ड, जोदेवभूमिके रूपमेंजानाजाताहै, अबधीरे–धीरेस्पोर्ट्सटूरिज्म की भूमिके रूपमेंभीअपनीपहचानबनारहाहै।

साथियों,

गोल्फहो याकोईअन्य खेल, यहकेवल एकगतिविधिनहीं, अपितु जीवन कोअनुशासन, सौहार्द,सम्मानऔरआत्मनिर्भरता के साथ जीने का एक दृष्टिकोणहै।

आजजबहमदेश के हरकोनेमें खेलोंको बढ़ावादेतेहुए देख रहेहैं, तब यहआवश्यकहोजाताहैकिहम खेलोंकोकेवलमनोरंजन या शौक न समझें, बल्किइसे एकपेशा, एककरियरऔर एकमिशनके रूपमेंस्वीकारकरें।

पिछलेवर्षोंमेंभारत ने ओलंपिक, पैराओलंपिक, एशियनगेम्सऔरअन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओंमें ऐतिहासिकप्रदर्शनकियाहै। यहइसलिए संभवहोसकाक्योंकिअबखिलाड़ीकोकेवलखिलाड़ीनहीं, राष्ट्र का प्रतिनिधिमानाजाताहै।

आजसमाज की सोचभीबदलरहीहै।पहले खेलोंमेंसफलताकोपढ़ाई–लिखाई का विकल्पमानाजाताथा, लेकिनअबमाता–पितागर्व से कहतेहैंकि उनके बेटे–बेटी ने स्टेट खेलाहै, नेशनल खेलाहै याओलंपिकमेंदेश का नाम रोशनकियाहै।

यहबदलावबेहद शुभसंकेतहै।मैंमानताहूँ किजिसप्रकारहम शैक्षणिकउपलब्धियों का सम्मानकरतेहैं, उसीतरहहमें खेलोंमेंउत्कृष्ट प्रदर्शनकरनेवाले युवाओंकोभीसमाज के नायकोंके रूपमेंस्वीकारकरनाचाहिए।

आजहमेंस्कूलों,
कॉलेजोंऔरविश्वविद्यालयोंमेंस्पोर्ट्सस्कॉलरशिप,
प्रोफेशनलट्रेनिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चरऔरमेंटरशिप के जरिए एकसशक्तस्पोर्ट्सइको–सिस्टमतैयारकरनाहोगा। युवाओं की ऊर्जाकोसहीदिशादेनाहीराष्ट्र निर्माण का सबसेबड़ासाधनहै।

साथियों,

मैं यहबातविशेष रूप से दोहरानाचाहताहूँ – खेलोंमेंकोई शॉर्टकटनहींहोता।मेहनत, अनुशासन, निरंतरताऔरआत्मविश्वासहीसफलता की कुंजीहोतेहैं।स्पोर्ट्सपर्सनकोहरदिनअपनेआप से लड़नाहोताहै, खुदकोबेहतरकरनाहोताहै।

खेलहमेंसिखाताहैकिहारकेवलअनुभवहै, औरजीत एकप्रेरणा।हरहारहमेंसिखातीहैकिहमेंअगलीबारकैसेऔरबेहतरहोनाहै। एकप्रतियोगीके रूपमें यातोआपजीततेहैं, यासीखतेहैं, यही जीवन का सिद्धांतभीहै।

मेरा यहभीमाननाहैकि खेलों के माध्यम से हमराज्य के युवाओंको न केवलस्वस्थ जीवन शैली की ओरप्रेरितकरसकतेहैं, बल्किरोजगारऔरनेतृत्व की संभावनाएँभी खोलसकतेहैं।उत्तराखण्डजैसेपर्वतीय राज्य में एडवेंचरस्पोर्ट्स, गोल्फटूरिज्म, विंटरगेम्सजैसीगतिविधियाँ एकनयाआर्थिकक्षितिज खोलसकतीहैं।

इस संदर्भमेंमैं यहविशेष रूप से कहनाचाहताहूँ किगोल्फजैसे खेलों का विकासग्रामीणअर्थव्यवस्था, हॉस्पिटैलिटीसेक्टरऔरस्थानीय प्रतिभा के लिए नए अवसरपैदाकरताहै।हमें इसे केवल'एलीटगेम' नहीं, बल्कि 'लोकप्रिय खेल' बनाने की दिशामेंप्रयासकरनेचाहिए।

इस टूर्नामेंटमेंआपकीसहभागिताऔर यहाँ की वादियों का सौंदर्य– ये दोनोंमिलकरउत्तराखण्ड की छविकोऔर निखारतेहैं।आपसभीप्रतिभागीवास्तवमेंउत्तराखण्डपर्यटन के ब्रांड एम्बेसडरहैं।जबआपलौटकरअपनेप्रदेश, अपने शहर, अपनेमित्रोंऔरपरिजनोंकोनैनीतालऔरउत्तराखण्ड की मेहमाननवाजी, शांतिऔरसौंदर्य के बारेमेंबताएंगे, तब यह आयोजनअपनेउद्देश्य मेंसफलहोगा।

साथियों,

आज के इस समापनसमारोहमेंमैंआपसभीसे यहीकहनाचाहूँगा– यह अंत नहींहै, यह एकनई शुरुआतहै।हमेंऔरआगेजानाहै, औरबेहतरआयोजनकरनेहैं, औरअधिक युवाओं, महिलाओंऔरबच्चोंको खेलों से जोड़नाहै।

मेरेलिए यहआयोजनकेवलटूर्नामेंटनहीं, बल्कि युवाओंकोसशक्तबनाने की, राज्य कोऊर्जावानबनाने की औरसमाजको एकजुटकरनेकी एकप्रेरणाहै।

मैंपुनः इस टूर्नामेंटमेंभागलेनेवालेसभीखिलाड़ियोंको, आयोजकोंको, प्रायोजकोंको, दर्शकोंकोऔरविशेष रूप से

राजभवनगोल्फक्लब, नैनीतालऔरस्थानीय प्रशासनको इस सफलआयोजन के लिए धन्यवादऔरबधाईदेताहूँ।

आइए, हम सब मिलकर यहसंकल्पलेंकि खेलोंकोकेवलप्रतिस्पर्धानहीं, बल्किसहयोग, स्वास्थ्य, समर्पणऔरराष्ट्र निर्माण का माध्यमबनाएंगे।

जय उत्तराखण्ड! जय भारत!

जय हिन्द!